

# ग्रसाबारण EXTRAORDINARY

भाग II--- कण्ड 3--- जप-साप्ड (i)
PART II--- Section 3--- Sub-section (i)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं • 344] नई विल्ली, शुक्रवार, ग्रक्तूबर 15, 1976/फ्राहिवन 23, 1898 No. 344] NEW DELHI, FRIDAY, OCTOBER 15, 1976 ASVINA 23, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह असग संकलन के रूप में हला आ सर्वे । Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 13th October 1976

- G.S.R. 817(E).—In exercise of the powers conferred by section 8 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Diplomatic and Consular Officers (Fees) Rules, 1949, namely:—
- 1. (1) These rules may be called the Diplomatic and Consular Officers (Fees) Amendment Rules, 1976.
- (2) They shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint
- 2. For rule 6 of the Diplomatic and Consular Officers (Fees) Rules, 1949 (hereinafter referred to as the said rules), the following rule shall be substituted, namely:—
  - "6. Collection of fees.—All fees shall be paid in cash against the issue of receipts and the amount so collected shall be accounted for to the Government of India".
- 3. In rule 7 of the said rules, for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:—
  - "(2) A notice in large type shall also be attached to, or exhibited in close proximity to the Table of fees, informing the public that the fees are payable in cash and receipts will be issued for such payment".

- 4. For rules 8 and 9, the following rules shall be substituted, namely:-
  - "8. Maintenance of register.—A consular service register showing the details of consular services rendered, names of persons served and their nationality, the amount of fees levied for each service, application form number and receipt number and containing the initials of the consular officer shall be maintained at each consular office.
  - 8. Inclusion of consular fees collected in the monthly statement of accounts.—The consular fees collected under these rules shall be accounted for through the monthly statement of accounts sent by the consular office to the Government of India and the statement shall be accompanied by a certificate signed by the First Secretary, or where there is no First Secretary, by the Head of Mission, to the effect that the consular fee account pertaining to the month have been duly checked and the amounts collected have been credited to the account of the Government of India".
- 5. Schedule II to the rules shall be omitted.

counts.-The consular fees collected under these rules shall be ac-

[No. F. T. 4330/11/75]

H. S. VAHLI,

Jt. Secy. & Chief of Protocol.

## विदेश मंत्राप्य

# ग्रधिसुचना

## नई दिल्ली, 13 प्रश्तुबर, 1976

सा को विन 847 (म): -- राजनियक एवं कौतनी मधिकारी (मपन एवं गुलक) मधि-नियम, 1948 (1948 का 51मां) को बारा 8 द्वारा ग्रेट प्रितिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एउद्धारा राजनियक एवं कोंसनी मधिकारी (गुल्क) नियम, 1949 में निम्नलिखित संगोधन करती है, यथा:---

- (1) इन नियमों को राजनियक एवं कौसली भिष्ठकारी (शुरुक) संशोधन नियम,
   1976 कहा जाए ।
- (2) केन्द्र सरकार जी तारीख तय करेगी और उसकी प्रधिपृथना जारी कर देगी, उसी दिन से ये नियम लागू हो आएंगे।
- 2. राजनयिक एवं कौजली श्रिष्ठकारी (शुल्क) नियम, 1949 (श्रन्थत्र इन्हें सिक्षं उक्त नियम कहा गया है) के नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखिज नियम रखा जाएगा, यथा:---
  - "6. शुल्क संग्रह, -- सभी शुल्क नकद में श्रदा किया जाएगा जिसकी रसीद दी जाएगी श्रीर इस प्रकार संग्रहोत शुल्क को राशि मारत सरकार के खाते में डाल दी जाएगी।"
- 3. उक्त यिवमों के निवम 7 में, उप-नियम (2) के स्थान पर, निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, यथा:----
  - ''(2) शुहर संग्रह-स्थल पर या उसके पास ही बड़े-बड़े श्रवारों में टाइपगुदा एक सूचना लगा दी जाएगी जिसमें जनता के लिए यह सूचना होगी कि शुल्क नकद देना होगा श्रीर इस श्रदायगी की रसोद दी जाएगी।''
  - तियम 8 भ्रीर 9 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे, यथा:--
    - "8. रिस्टर रखना,——प्रश्लेक कौतली कार्यालय में एक कोंसली सेवा रिकस्टर रखा जाएगा जिसमें कोंसली सेवा का ब्योरा होता, जिन लोगों को यह सुविधा प्रदान की

गई हो, उनके नाम भ्रोर उनको राष्ट्रियता, सेवा-मुल्क की राणि, श्रावेदन प्रपत्न संका श्रोर रमीद संका लिखो आएगी, जिस पर कॉमली श्रधिवारी के श्राद्धाक्षर होंगे ।

संप्रहीत शुक्क को राशि को लेखा के मासिक विवरण में शामिल करना - इन नियमों के अधीन इकट्ठी की गई कॉसली शुक्क की रकम को कॉसली वार्यालय द्वारा भारत सरकार को भेजे जाने वाले मासिक लेखा विवरण के माध्यम से लेखा दर्ज किया जाना चाहिए, इस विवरण के साथ प्रथम सचिव द्वारा या जहां प्रथम सचिव न हो वहां मिशन पमुख द्वारा इस आशय का प्रमाणपत्र भेजना होगा कि उक्त माह के कोंसली शुक्क खाते की यथोवित रूप से जांच कर लो गई है और संग्रहीत राशि भारत सरकार के खाते में जमा कर दी गयी है।"

इत नियमों की अनुसूची की छोड़ दी जाएगी।

[सं॰ फा॰ टी॰ 4330/11/75]

एच० एस० वहाली, संयुक्त सचिव एवं प्रोतोकोल प्रमुख ।